रिपोर्टर जेरोक्स
शाप नं.-1, कलेक्ट्रेट कैम्पस, कोटा (राज.)

सेवाऐं: जेरोक्स, कलर जेरोक्स, अर्जेन्ट फोटो, लेमिनेशन

फार्म उपलब्ध: मूल निवासी, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र

कलम का अधिकार

आयुर्वेदिक दवाईयां
थोक व रिटेल में
जैन आयुर्वेदिक स्टोर
रामपुरा (डाकघर के सामने) कोटा - 6
फोन- 2381156, 2381946
प्रमुख वितरक - ऊंझा फार्मेसी, लोकोपकारक, व्यास, श्यार क्योर, नर नारायण, चरक, आयुलेब, बजाज, सान्डू, वासू, बान, दीनदयाल, साधना, राजवैद्य, खूटेंटा, वैद्यनाथ, धूतपापेश्वर, सोल्युमिक्स, महर्षि, परम हेल्थकेयर, रतन आयुर्वेदिक, जमना फार्मेसी, शर्बत, मुरब्बा, एवं जनरल हेल्थ केयर आइटम।

वर्ष-69 अंक- 44 (प्रभात) कोटा, शनिवार, 15 फरवरी, 2025 डाक पंजी, कोटा/ 37/2021-2023 (हिन्दी दैनिक) फोन : 0744-3550629 पृष्ठ-4 मूल्य : 1 रुपया

अडाणी मुद्दे पर मोदी ने अमेरिका में कहा-निजी मामला

2 राष्ट्राध्यक्ष ऐसे मुद्दों पर बात नहीं करते

राहुल बोले-पीएम ने यूएस में भी पर्दा डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर अडाणी मुद्दे पर PM नरेंद्र मोदी को घेरा। राहुल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया X पर लिखा कि अडाणी मामले पर PM से देश में सवाल पूछो तो वे चुप्पी साध लेते हैं। जब विदेश में सवाल किया गया तो इसे निजी मामला बताया। दरअसल, PM मोदी से अमेरिका दौरे पर पत्रकारों ने सवाल पूछा था कि क्या राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ मीटिंग में गौतम अडाणी के केस पर कोई चर्चा हुई? इस पर PM ने जवाब दिया कि ऐसे व्यक्तिगत मामलों में हमारे बीच कोई बातचीत नहीं हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से दिल्ली रवाना

वॉशिंगन (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा खत्म कर दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। पीएम मोदी शुक्रवार देर रात 3 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे। दोनों नेता करीब ढाई घंटे तक साथ रहे। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत हुई। ट्रम्प-मोदी ने 2 बार मीडिया से बात की।ट्रम्प ने टैरिफ मामले पर मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें एक टफ नेगोशिएटर (मोलभाव करने वाला) बताया। उन्होंने कहा कि PM मोदी उनके अच्छे दोस्त हैं और वे अच्छा काम कर रहे हैं। वो मुझसे भी बेहतर नेगोशिएटर हैं।ट्रम्प ने भारत को F-35 फाइटर जेट देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने 2008 में मुंबई हमले के आतंकी तहव्वुर राणा को भारत भेजने की बात कही।वहीं, पीएम मोदी ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने पर ट्रम्प को बधाई दी।

युवाओं की उम्मीदों को पूरा कर रही राज्य सरकार-सीएम

स्व. श्री भंवराराम कड़वा की प्रतिमा अनावरण- प्रदेशवासियों की सेवा हमारा ध्येय

हर वर्ग, हर व्यक्ति की खुशहाली और उन्नति सुनिश्चित कर रही राज्य सरकार

कुचामनसिटी/जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों की सेवा को अपना ध्?येय मानकर युवा, किसान, महिलाओं एवं जरूरतमंदों के उत्?थान के लिए कार्य कर रही है। हर क्षेत्र में विकास और सेवा की भावना के साथ हमारी सरकार हर वर्ग, हर व्यक्ति की खुशहाली और उन्नति सुनिश्चित कर रही है।शर्मा शुक्रवार को कुचामनसिटी में आयोजित स्व. श्री भंवराराम कड़वा के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्व सरपंच व जनसेवी स्?व. श्री भंवराराम कड़वा जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डीडवाना-कुचामन की धरा संतों और समाजसेवियों की भूमि है। यहां जन्?म लेने वाले स्व. श्री भंवराराम जी का पूरा जीवन जनसेवा एवं सामाजिक सेवा को समर्पित रहा तथा उनके द्वारा पल्लवित श्री नारायण नर सेवा संस्थान आज भी समाज सेवा में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।

हमारी सरकार ने किसान कल्याण का रखा पूरा ध्यान-शर्मा ने कहा कि प्रदेश के विकास एवं किसान कल्याण के लिए हमने पहले 1 साल में पानी और बिजली को प्राथमिकता पर रखा। राज्य सरकार प्रदेश में पानी की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करने की दिशा में पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी (राम जलसेतु लिंक परियोजना), शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता, दक्षिणी राजस्थान के लिए देवास परियोजना का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही इंदिरा गांधी नहर परियोजना एवं माही परियोजना को भी सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आने वाले समय में राजस्थान जल के क्षेत्र में अग्रणी प्रदेश बनेगा।

वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवायेगी सरकार-मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। हमारी सरकार किसानों का दर्द समझती है और उन्हें सस्ती एवं सुलभ बिजली उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हमने किसानों के लिए सम्?मान निधि की राशि को बढ़ाकर 8 हजार रुपये करने, गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाने के साथ ही पशुपालकों के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना एवं मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिटों की शुरुआत की है।

एक साल में 10 लाख परिवारों को पेयजल कनेक्शन- शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार हर घर जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में हमने पिछले एक वर्ष में समेकित प्रयास कर 10 लाख परिवारों को पेयजल कनेक्शन दिए हैं। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने हर घर जल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना को अटकाए रखा। हमारी सरकार के आग्रह पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन की अवधि को बढ़ाया है।

60 हजार युवाओं को दी सरकारी नौकरियां, 81 हजार पदों का परीक्षा कैलेण्डर जारी-मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने वाला माहौल तैयार हुआ है। हमारी सरकार ने 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। इसी दिशा में अब तक लगभग 60 हजार सरकारी नौकरियों में नियुक्तियां दी है और जुलाई माह तक कुल 1 लाख नौकरियां दे दी जाएंगी। साथ ही, नए साल के आरंभ के साथ हमने वर्ष 2025 में 81 हजार पदों के लिए होने वाली परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है। इसी प्रकार निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए राज्य सरकार प्रदेश में निवेश और उद्योग को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राज्य सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, जिसके जरिये प्रदेश में निवेश के लिए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए।

प्रदेश में खोले गए 1 हजार नए आंगनबाड़ी केन्द्र- शर्मा ने कहा कि बेटियों के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए हमने लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की है। प्रदेश में एक हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर नौनिहालों को पौष्टिक दूध उपलब्ध कराने के लिए अमृत आहार योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा कि अन्त्योदय के संकल्प के साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आस-पास के जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए अपनी भागीदारी निभाएं।

डीडवाना-कुचामन जिले में 100 करोड़ रूपये के विकास कार्य-मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार डीडवाना कुचामन के विकास के लिए पिछले बजट में की गई घोषणाओं को धरातल पर लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि डीडवाना-कुचामन जिले में लगभग 100 करोड़ रूपये के विकास कार्य करवाये जा रहे है। साथ ही, डीडवाना-कुचामन जिले की बजट घोषणाओं में से 78 प्रतिशत घोषणाओं में स्वीकृति जारी करने के साथ ही भूमि आवंटन से संबंधित सभी कार्यों में 100 प्रतिशत रूप से भूखण्ड आवंटित कर दिए गए हैं।

महाकुंभ में अब तक रिकॉर्ड 50 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

दुनिया के किसी आयोजन में इतनी भीड़ नहीं जुटी, राहुल-प्रियंका 16 को पहुंचेंगे

प्रयागराज(एजेंसी)। महाकुंभ में 33 दिनों में 50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इतिहास में ये सबसे बड़ा आयोजन रिकॉर्ड किया गया। 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ के अभी 12 दिन और बचे हैं।अमेरिका और चीन की कुल आबादी के बाद तीसरी सबसे बड़ी आबादी के बराबर लोग प्रयागराज पहुंचे हैं।ब्राजील के रियो फेस्टिवल या जर्मनी के अक्टूबर फेस्ट में आने वाली भीड़ इसके मुकाबले कुछ नहीं है। रियो कार्निवल 9 फरवरी से शुरू हुआ है जो 17 फरवरी तक चलेगा, इसमें रोज करीब 20 लाख लोग पहुंचते हैं। वहीं 16 दिनों तक चलने वाले जर्मनी के अक्टूबर फेस्ट में करीब 70 लाख लोग पहुंचते हैं।महाकुंभ में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी 16 फरवरी को डुबकी लगाएंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, उनके आने का प्रोग्राम लगभग फाइनल हो चुका है। तैयारियां की जा रही हैं।महाकुंभ में आज फिर श्रद्धालुओं की भीड़ है। आज महाकुंभ का 33वां दिन है। 13 जनवरी से अब तक 50 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। थोड़ी देर में 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगा।कल शनिवार और फिर रविवार है। ऐसे में प्रशासन का अनुमान है कि वीकेंड पर भीड़ उमड़ सकती है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी लखनऊ में मीटिंग की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सीनियर अफसर खुद सड़क पर उतरें और हर स्तर पर जवाबदेही तय करें।योगी ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले रास्तों में कहीं पर भी जाम न लगे। श्रद्धालुओं को दिक्कत नहीं आए। अगर जाम लगा तो वहां के अफसरों की जवाबदेही तय होगी। इधर, गुरुवार को अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के ट्रस्टी परमानंद महाराज की तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द के बाद उन्हें केंद्रीय अस्पताल महाकुंभ लाया गया। यहां उनको द्रष्ट में रखा गया। इसके बाद एयरलिफ्ट कर उन्हें AIIMS दिल्ली भेजा गया है।

राजस्थान हाईकोर्ट को मिले एक और जज

एडवोकेट कोटे से मनीष शर्मा की न्यायाधीश पद पर नियुक्ति;इस साल रिटायर होंगे 3 जज

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट को एक और न्यायाधीश मिल गए हैं। वकील कोटे से एडवोकेट मनीष शर्मा के हाईकोर्ट जज के नियुक्ति वारंट शुक्रवार जारी हो गया है। राष्ट्रपति भवन से वारंट जारी होने के बाद विधि मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी हैं।मनीष शर्मा राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर बैंच में प्रैक्टिस करते हैं। हाईकोर्ट कॉलेजियम के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने भी उनके नाम की सिफारिश की थी। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति की हैं। वहीं इस साल 3 जज रिटायर भी होने वाले हैं।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ की ओर से 46 अधिवक्ताओं का दल महाकुंभ के लिए रवाना

जयपुर (कासं)।भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ की ओर से महाकुंभ 2025 में अधिवक्ताओं के एक दल को भाजपा प्रदेश कार्यालय से भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी और डॉ अरूण चतुर्वेदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी और डॉ अरूण चतुर्वेदी ने अधिवक्ताओं को माला, दुपट्टा और तिलक लगाकर महाकुंभ स्नान के लिए रवाना किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, महेंद्र कुमावत, सह कोषाध्यक्ष अनिल सिसोदिया, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना ने दल के सभी अधिवक्ताओं को शुभकामनाएं दी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने अधिवक्ताओं के दल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा के प्रकोष्ठ की ओर से 46 सदस्यों के दल को प्रयागराज के लिए रवाना किया गया है। विधि प्रकोष्ठ ने इस महाकुंभ यात्रा में 30 महिलाओं को भी शामिल किया है। भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि संपूर्ण विश्व में महाकुंभ की चर्चा हो रही है। ना केवल भारत से बल्कि विदेशों से भी लोग कुंभ स्नान के लिए आ रहे है। यह ही हमारी सनातन की पहचान है। इस महाकुंभ में 40 करोड़ लोगों के आने की कल्पना की गई थी, लेकिन 50 करोड़ तक तो यह संख्या पहुंच चुकी है, अभी 26 तक कुंभ में स्नान किया जाएगा। सनातन में आस्था रखने वालों के साथ ही विदेशों से विभिन्न धर्मों के लोग कल्पवासी बनकर के संगम पर डूबकी लगा रहे है।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

देश के हितों पर चोट करती विदेशी सहायता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिकी एजेंसी अर्थात यूएसएड का अमेरिकी विदेश विभाग में विलय करने का निर्णय लिया है, तबसे इस एजेंसी के कार्यकलापों को लेकर चौंकाने वाले रहस्योद्घाटन हो रहे हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कुछ अच्छे प्रयासों पर धन खर्च करने वाली यह संस्था अमेरिका के सत्ता परिवर्तन अभियान का जरिया भी बनी हुई थी। अमेरिकी विदेश विभाग के पूर्व अधिकारी माइक बेंज ने दावा किया है कि यूएसएड ने विभिन्न माध्यमों से बांग्लादेश में तख्तापलट को प्रोत्साहित करने के बाद भारतीय विमर्श को भी प्रभावित करने का प्रयास किया। बेंज के अनुसार अमेरिका ने बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार को कमजोर करने के लिए सांस्कृतिक तनाव का इस्तेमाल कर उनकी सरकार के खिलाफ भावनाओं को भड़काया। बेंज ने आरोप लगाया है कि यूएसएड अन्य अमेरिकी सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर भारत में मोदी विरोधी राजनीतिक कथानक को तैयार करने के लिए लगातार प्रयास करती रही है। इस कथानक का उपयोग 2019 के आम चुनावों में मोदी विरोधी हवा बनाने के लिए तो किया ही गया, साथ ही आनलाइन विमर्श में हेराफेरी करने, विपक्षी आंदोलनों को वित्तपोषित करने और कुछ दृष्टिकोणों को सेंसर करने के लिए भी किया गया। बेंज की मानें तो यूएसएड और उसके सहयोगियों ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को गलत सूचनाएं यानी फेक न्यूज प्रचारित करने का आरोपित बनाकर पेश किया और ऐसा चित्रण तैयार करने के बाद फेसबुक, वाट्सएप, यूट्यूब और ट्विटर (एक्स) जैसे इंटरनेट मीडिया नेटवर्क पर मोदी समर्थक सामग्री को सेंसरशिप के दायरे में लाने का औचित्य गढ़ा। बेंज का दावा है कि यूएसएड से जुड़े संगठनों ने भारत में फेक न्यूज की फर्जी रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मीडिया और डिजिटल फोरेंसिक समूहों के साथ सहयोग भी किया। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि यूएसएड का उस फ्रीडम हाउस नामक संस्था से गठजोड़ है, जो भारतीय लोकतंत्र को लगातार निचले पायदान पर रखती है और यह संदेश देने की कोशिश करती है कि भारत में लोकतंत्र कमजोर होता जा रहा है। इन सनसनीखेज दावों के बीच विकिलीक्स ने भी उजागर किया है कि यूएसएड ने स्वतंत्र पत्रकारिता के विकास का दावा करने वाली इंटरन्यूज नामक एक अन्य संस्था को लगभग 4,100 करोड़ का अनुदान दिया। इस अनुदान का एक हिस्सा भारत भी आया, जिसमें बड़ी रकम सुप्रीम कोर्ट के एक वकील की ऐसी संस्था को मिली, जिसके परामर्शदाता और उसके द्वारा संचालित कार्यशालाओं में मोदी विरोधी एक्टिविस्ट और पत्रकारों के नाम सामने आते हैं। ये सभी मोदी सरकार के धुर विरोधियों में गिने जाते हैं। इनमें से कई की गिनती वामपंथियों में भी होती है। यह भी कोई संयोग नहीं कि अमेरिकी दूतावास ने 1.6 करोड़ के बजट की घोषणा से पब्लिक मीडिया ट्रेनरों की नियुक्ति के लिए जो मुहिम चलाई थी, उसके नेतृत्व के लिए इन्हीं के बीच के एक यूट्यूबर पत्रकार को चुना था और उसे दूतावास निमंत्रित किया था। द पैंफलेट नामक पोर्टल ने कुछ समय पहले यह उजागर किया था कि अंधविरोध से ग्रस्त घोर मोदी विरोधी और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता एक भारतीय पत्रकार पर अमेरिका में बनाई गई डाक्युमेंट्री को फोर्ड फाउंडेशन से आर्थिक सहायता मिली थी। इससे पहले राजीव गांधी फाउंडेशन को जार्ज सोरोस से अनुदान मिलने की खबर आई थी, परंतु अब सैम पित्रोदा के एनजीओ जीकेआइ को भी यूएसएड से पैसा मिलने की बात सामने आई है। यह ध्यान रहे कि राहुल गांधी के अमेरिकी कार्यक्रमों को आयोजित करने का कार्यभार सैम पित्रोदा के जिम्मे ही रहता है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गांधी परिवार के राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से चंदा मिला था। इसके चलते फाउंडेशन का विदेश चंदे संबंधी एफसीआरए लाइसेंस को रद कर दिया गया था। भारतीय राजनीति और भारतीय मीडिया में विदेशी दखल का चलन नई बात नहीं है। मित्रोखिन आर्काइव्स में वर्णित सोवियत रूसी हस्तक्षेप से लेकर चीनी फंडिंग प्राप्त एक न्यूज पोर्टल की ओर से देश में अराजकता फैलाने के प्रकरण समय-समय पर उजागर होते रहे हैं। देश की राजनीति में विदेशी और खासकर अमेरिकी हस्तक्षेप और राजनीतिक एवं मीडिया कथानक को पैसे के दम पर तोड़ने-मरोड़ने का प्रयास इस मायने में भिन्न है कि यह बेशर्मी से खुलेआम हो रहा है। यूएसएड के जरिये अमेरिकी प्रयास इस मायने में और भी खतरनाक थे कि वे राजनीति के अलावा लोकतंत्र के विभिन्न अंगों को प्रभावित और अधिग्रहित कर भारतीय संप्रभुता को खुली चुनौती दे रहे थे। इसके अलावा ऐसे प्रयास दूरगामी सामाजिक एवं सांस्कृतिक विप्लव की जमीन भी तैयार करते हैं। यूएसएड द्वारा मोटा चंदा प्राप्त वर्ल्ड विजन और परोक्ष रूप से सहायता प्राप्त जोशुआ प्रोजेक्ट इसका उदाहरण हैं। ये संस्थाएं न सिर्फ मतांतरण करा रही हैं, बल्कि हिंदुओं के प्रति घृणा का माहौल भी तैयार करती हैं। चाहे राजनीति हो या पत्रकारिता, एक्टिविज्म हो या फिर सामाजिक कार्य, भारत में सभी प्रकार के लोगों को अपनी रुचि और अपने मंतव्य के अनुसार चलने की पूरी छूट है, परंतु एक संप्रभु राष्ट्र का स्वाभिमान इसकी अनुमति कभी नहीं दे सकता कि विदेशी ताकतों और विदेशी पैसे के बल पर देश की दशा-दिशा प्रभावित हो। यह बहुत चिंताजनक बात है कि न सिर्फ पत्रकार और एक्टिविस्ट किस्म के लोग, बल्कि कुछ राजनेता भी अमेरिकी हाथों में खेलने को तैयार हैं। ऐसी दुष्चेष्टा की जितनी निंदा की जाए, कम है। इसके प्रति देश को सावधान रहना होगा। इसके साथ ही सरकार को भी चाहिए कि विदेशी फंडिंग के जटिल से जटिल मार्गों को रोकने का प्रबंध करे। अमेरिका में बदले राजनीतिक परिदृश्य और डोनाल्ड ट्रंप की साफगोई वाली विदेश नीति इसमें तात्कालिक रूप से सहायक सिद्ध हो सकती है, लेकिन भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए और अधिक सक्रिय होना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि आम तौर पर विदेशी सहायता देने वालों के अपने संकीर्ण स्वार्थ होते हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर देना होगा अधिक ध्यान

आजकल विकसित भारत शब्द विमर्श के केंद्र में है। प्रश्न उठता है कि विकसित भारत क्या है? क्या यह मात्र एक शब्द है? या राजनीतिक प्रतीक है? क्या यह नारा है? क्या यह एक भविष्यपरक लक्ष्य है? क्या यह राष्ट्र निर्माण का एक परिवर्तनकारी मिशन है? गहराई से व्याख्या करें तो भारतीय आधुनिक इतिहास में तीन परिवर्तनकारी दीर्घ क्षण दिखते है–पहला गांधीजी का भारत की आजादी का मिशन, आजादी के बाद राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के लक्ष्यों को लागू करने का मिशन और तीसरा क्षण है विकसित भारत का मिशन, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्पित किया है। विकसित भारत एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। यदि इसे प्रतीक के रूप में देखें तो यह एक विकासपरक प्रतीक है, जिसमें विकसित देशों की श्रेणी में आना एक लक्ष्य है। विकसित देशों में विकास के जितने भी मानक हैं–स्वास्थ्य, शिक्षा, गुणात्मक जीवन, सुख, खुशी, समरसता इत्यादि के आधार पर शीर्ष पर पहुंचने की प्रतिबद्धता के भाव इस संकल्पना में समाहित हैं।

विकसित भारत के इस प्रतीक में विकास की आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के साथ ही समाज की बेहतरी के लिए सुविधाएं, संचार एवं बाजार का जनोपयोगी विकास भी करना होगा। इस प्रकार, एक प्रतीक के रूप में विकसित भारत विकास के अनेक रूपों यथा आर्थिक विकास, सांस्कृतिक विकास, सुख एवं संतोष की प्राप्ति, आध्यात्मिक उन्नयन, ज्ञान जगत में शीर्ष कोटि प्राप्त करने के लक्ष्य को खुद में शामिल किए हुए है। अगर आप विकसित भारत की इस प्रक्रिया को देखेंगे तो जाहिर होगा कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये जहां शिक्षा के मोर्चे पर आशातीत परिणाम हासिल करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित हो रही है, वहीं जनस्वास्थ्य के स्तर पर सभी कड़ियों को मजबूत बनाने के लिए कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाकर स्वस्थ भारत के लक्ष्य

दीर्घकालिक प्रक्रिया है विकसित भारत

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने भी गरीब एवं अति पिछड़े लोगों में आकांक्षा की भावना पैदा की है। यही आकांक्षा भाव लोगों में विकास के परम लक्ष्य के लिए समर्पित होने की कामना पैदा करता है। इस प्रकार विकसित भारत के दो मूल तत्व आशा एवं आकांक्षा हैं। आशा एवं आकांक्षा मिलकर लोगों में भविष्य का बोध जागृत करती हैं।

प्राप्ति की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आधारभूत संरचना के लिए भी हाईवे और एक्सप्रेसवे निर्माण से देश के कोने-कोने को जोड़ने का काम द्रुत गति से जारी है।

धार्मिक एवं अध्यात्मिक स्थलों को विकसित कर श्रद्धालुओं की सुविधाजनक तीर्थ यात्रा को संभव किया जा रहा है। विकसित भारत मिशन के लिए समर्पित रणनीतियों से जाहिर है कि आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सैन्य शक्ति से युक्त भारत ही विकसित भारत का आधार बनेगा। विकसित भारत पीएम मोदी के 'पंच प्रण' पर आधारित है। इस पंच प्रण में विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी की हर एक स्मृति एवं प्रतीक से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता की शक्ति, नागरिकों में कर्तव्य बोध जागरण जैसे तत्व समाहित हैं। हाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डा. मोहन भागवत ने सांस्कृतिक आजादी की बात की तो कुछ वर्गों ने उनकी आलोचना की। इस प्रक्रिया में हम भूल गए कि दुनिया की हर राजनीतिक आजादी धीरे-धीरे अपने लिए विभिन्न चरणों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आजादी प्राप्त कर एक प्रभावी एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण करती ही है। दुनिया भर के देशों की मुक्ति का इतिहास देखें तो जाहिर होगा कि आजादी प्राप्ति के बाद भी ऐसे अनेक औपनिवेशिक राष्ट्रों को अपने मानस, संस्कृति एवं समाज को विऔपनिवेशीकृत करने के लिए प्रयास करने पड़े। ऐसे तमाम विवरण केन्या के प्रसिद्ध लेखक आंगुगी बाच्योंगो की पुस्तक 'डिकोलोनाइजिंग माइंड' में उल्लिखित हैं। स्पष्ट है कि विकसित भारत मिशन एवं गुलामी की संस्कृति से सांस्कृतिक मुक्ति का अभियान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। विकसित भारत एक सुखद भविष्य की आशा का प्रतीक है, जिसमें भारत के भविष्य की दीर्घकालिक दृष्टि दिखती है। वस्तुत: भारतीय इतिहास का यह तीसरा चरण, जो विकसित भारत का चरण है, इस रूप में महत्वपूर्ण है कि इसमें पहली बार महात्मा गांधी के बाद किसी भारतीय राजनेता ने देश के भविष्य की दीर्घकालिक संकल्पना प्रस्तुत की है। अतीत में नेताओं ने 'भारत भविष्य' को पंचवर्षीय योजनाओं में बांट रखा था। यह खंडित भविष्य की संकल्पना थी, जिसे पीएम मोदी ने विकसित भारत के एक दीर्घकालीन सुसंगत भविष्य की रूपरेखा एवं कार्ययोजना के रूप में प्रस्तुत किया है। विकसित भारत की संकल्पना मुख्य रूप से दो आधारों पर टिकी है। इसमें पहला आधार है आकांक्षी भारत और दूसरा आशाओं से उद्भूत भारत। विकसित होने की आकांक्षा ही वह भावनात्मक शक्ति होती है, जो किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाती है। बीते एक दशक में पीएम मोदी के अनेक संबोधनों एवं कार्यों ने जनता में विकसित होने की अदम्य अभिलाषा विकसित की है। यह अभिलाषा आधार तल से शीर्ष तक सभी जनसमूहों में समान रूप से दिखती है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने भी गरीब एवं अति पिछड़े लोगों में आकांक्षा की भावना पैदा की है। यही आकांक्षा भाव लोगों में विकास के परम लक्ष्य के लिए समर्पित होने की कामना पैदा करता है। इस प्रकार विकसित भारत के दो मूल तत्व आशा एवं आकांक्षा हैं। आशा एवं आकांक्षा मिलकर लोगों में भविष्य का बोध जागृत करती हैं। यही भविष्य का बोध आज के विकसित भारत का मूलाधार है, जो आर्थिक, सांस्कृतिक, ज्ञान एवं अध्यात्म के क्षेत्र में भारत की प्रगति में परिलक्षित हो रहा है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को लेकर विभिन्न खेमों में बंटी दुनिया से आखिर कैसे तालमेल बिठायेगा भारत?

जब मौजूदा दशक में अस्तित्व में आए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उतपन्न व्यवहारिक चुनौतियों से निपटने के लिए समकालीन विश्व अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे तीन मजबूत खेमों में बंट चुका है, तब भारत जैसे निर्गुट खिलाड़ी की भूमिका भी बढ़ जाती है और कुछ नई संभावनाएं भी पैदा होती हैं। इसलिए सवाल उठता है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को लेकर लगभग तीन खेमों में बंटी समकालीन दुनिया से आखिर कैसे तालमेल बिठायेगा भारत? जानकार बताते हैं कि अमेरिका और यूरोप के बीच एक भरोसेमंद पुल बनकर भारत अपनी भावी भूमिका निभा सकता है और इसकी वैश्विक जरूरत भी महसूस की जा रही है। चूंकि यूरोपीय संघ का अगुवा देश फ्रांस भारत का प्रगाढ़ मित्र है, इसलिए यह संभव भी है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस अवसर को समझ चुके हैं और उसी के अनुकूल वर्तमान परिस्थितियों को तैयार भी कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि साल 2023 में अस्तित्व में आई एआई को लेकर पहला शिखर सम्मेलन उसी वर्ष इंग्लैंड में, हुआ था, जबकि दूसरा शिखर सम्मेलन 2024 में दक्षिण अफ्रीका में, तीसरा शिखर सम्मेलन 2025 में फ्रांस में हुआ। वहीं, चौथा शिखर सम्मेलन 2026 में भारत में होगा, जिसकी मेजबानी के लिए भारत सरकार तैयार है। साथ ही मित्र देश फ्रांस ने भी इसका समर्थन किया है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया को एआई यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के पूर्वाग्रहों से सावधान रहने की नसीहत भी दी है। इस तकनीक से नौकरियां जाने की आशंकाओं को खारिज करते हुए मोदी ने साफ कहा है कि इतिहास गवाह है कि तकनीक नौकरियां नहीं लेती। सिर्फ इसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां पैदा होती है। उन्होंने बताया कि इंसानों की रोजमर्रा की जिंदगी में एआई कितनी अहम भूमिका निभा रहा है। इसलिए उन्होंने इस तकनीक के फायदों को सभी से साझा करने की वकालत भी की है। बता दें कि पेरिस में आयोजित ग्लोबल एआई समिट में बोलते हुए उन्होंने एआई के जिम्मेदार डिवेलपमेंट पर जोर दिया और इसके खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की बात की। पीएम ने दो टूक कहा कि एआई को ओपन सोर्स सिस्टम के माध्यम से डिवेलप किया जाना चाहिए, जिससे इसकी पारदर्शिता बढ़े और सभी देशों को इसका समान लाभ मिले। चूंकि एआई से रोजगार के कई नए क्षेत्र विकसित होंगे, इसलिए हमें लोगों को स्किलिंग और री-स्किलिंग पर ध्यान देना होगा। हम इस दिशा में बड़े स्तर पर निवेश कर रहे है। वहीं, एक खास पहलू की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि एआई इस सदी के लिए मानवता के कोड (व्यवस्था) लिख रहा है। इसलिए इसमें दुनिया बदलने की ताकत है। इस दिशा में भारत भी अपने एक्सपीरियंस और एक्सपर्टीज को जरूरतमंद देशों/लोगों के साथ साझा करने को तैयार है, ताकि सभी

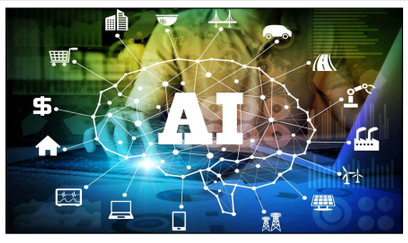

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया को एआई यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के पूर्वाग्रहों से सावधान रहने की नसीहत भी दी है। इस तकनीक से नौकरियां जाने की आशंकाओं को खारिज करते हुए मोदी ने साफ कहा है कि इतिहास गवाह है कि तकनीक नौकरियां नहीं लेती।

के लिए इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करवाई जा सके। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पैरिस में ग्लोबल एआई समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ सह अध्यक्षता की और कहा कि एआई पर अगली ग्लोबल समिट भारत में होगी। वहीं, फ्रांस ने भी ऐलान किया कि एआई पर अगली ग्लोबल समिट भारत में ही होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्र ने कहा कि एआई के डिवेलपमेंट को खुला और निष्पक्ष बनाने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति मोदी से सहमत दिखे। वहीं, ग्लोबल समिट में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस बात से सहमति जताई कि एआई को वैचारिक पूर्वाग्रह से मुक्त होना चाहिए और यह कभी इंसानों की जगह नहीं ले सकेगा। साथ ही उन्होंने वैश्विक नेताओं को आगाह किया कि एआई में बहुत ज्यादा नियम-कानून इस इंडस्ट्री की तेजी से बढ़ती संभावनाएं बाधित हो सकती हैं। वहीं, कुछ अन्य नेताओं ने इस बात की जोरदार वकालत की कि एआई पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियमों की जरूरत है। साथ ही इसकी ग्लोबल रेस में यूरोप को तीसरा रास्ता अपनाने की दरकार है ताकि दुनिया को अमेरिका और चीन की कंपनियों पर निर्भरता से बचाया जा सके। उल्लेखनीय है कि पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई एक्शन समिट ने जहां आने वाले दौर के लिए एआई की अहमियत को रेखांकित किया है, वहीं आगे के रोड मैप को दुरूस्त करने के लिए यह भी साफ कर दिया है कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। इस नजरिए से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश करते हुए यह जता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है। जहां तक इस बैठक की टाइमिंग का सवाल है तो यहां पर यह स्पष्ट करना जरूरी है कि पेरिस एआई एक्शन समिट ऐसे समय में हो रही है, जब चीनी कंपनी %डीपसीक% पूरी दुनिया के एआई निवेशकर्ताओं को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। क्योंकि बहुत ही कम समय और न्यूनतम लागत में इसने चैटजीपीटी से बेहतर एआई टूल पेश करके दुनिया को बताया कि इस फील्ड में आउट ऑफ बॉक्स सोच बड़ी चीज है। पेरिस एक्शन समिट इसी पहलू को रेखांकित करती है वहीं, इस बैठक से यह भी साफ हो चुका है कि एआई इंडस्ट्रीज की सफलता के लिए सतर्कता बेहद जरूरी है, क्योंकि इसमें अग्रणी देश इसे अपने-अपने साम्राज्यवादी हितों के अनुरूप ढाल सकते हैं। अमेरिका और चीन ऐसा कर भी चुके हैं। जबकि यूरोप भी इसी दिशा में आगे बढ़ चुका है। इसलिए भारत को भी अपना कदम फूंक-फूंक कर रखना होगा। भारत ऐसा ही कर भी रहा है। हालांकि, इसमें दो राय नहीं कि डीपसीक ने वाकई कमाल किया है। लेकिन निरंतर बदलती, विकसित होती तकनीक वाली इस फील्ड में हर इनोवेशन की अपनी सीमाएं भी होती हैं, जिनका ध्यान रखने की जरूरत होती है। खासकर सुरक्षा से जुडे पहलू को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बिंदु पर इस चीनी इनोवेशन को भी कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ रहा है। जहां तक एआई को लेकर दुनियावी पारदर्शिता और तालमेल का सवाल है तो कहना न होगा कि इस नजरिए से भी यह तीसरी एआई एक्शन समिट सफल हुई है, क्योंकि इसमें 90 देश और बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस शिखर बैठक में भी कहा, एआई हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। वहीं, जहां तक एआई तकनीक के बुनियादी विकास में भारत की भूमिका का सवाल है तो यह तीसरी बैठक भारत की भूमिका को भी खास बनाता है। क्योंकि इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं, निकट भविष्य में बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। हालांकि अनुभव बताता है कि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। इसलिए बेहतर यही होगा कि केंद्र सरकार एक मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। क्योंकि एआई इनोवेशन में भारत खुद के पीछे छूटने का जोखिम अब नहीं उठा सकता है। खासबात यह है कि पेरिस के एआई समिट के जरिए एआई पर अमेरिका, यूरोप और चीन की आपसी वर्चस्व की लड़ाई खुलकर सामने आती दिखी है।

सरल आयकर, जटिल नियम

अब आसानी से समझ पाएंगे

यह सही समय है कि उन लोगों पर निगाह दौड़ाई जाए जो समर्थ होते हुए भी आयकर नहीं देते। आखिर जो संपन्न किसान एक सीमा से अधिक आय अर्जित करते हैं उन्हें आयकर के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि कृषि आय को टैक्स के दायरे से बाहर रखने के नियम का दुरुपयोग भी किया जा रहा है।

यह सराहनीय है कि 63 वर्ष पुराने आयकर कानून को बदलने के लिए एक विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत कर दिया गया। इसके माध्यम से आयकर की भाषा को सरल बनाने के साथ ही अनावश्यक प्रविधानों को हटाया जाएगा। आयकर कानून बदलने और उसे सरल एवं सुस्पष्ट करने के प्रयास किए जा रहे हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि नया आयकर विधेयक 622 पन्नों का है, जबकि मौजूदा आयकर अधिनियम में 1647 पन्ने हैं। वित्त मंत्री की मानें तो नए आयकर कानून से कर संहिता अधिक सरल हो जाएगी और वह आयकर अधिकारियों के साथ आयकरदाताओं को भी राहत प्रदान करेगी। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि आयकरदाताओं को जटिल नियमों के साथ आसानी से समझ न आने वाली भाषा से छुटकारा मिले। चूंकि आयकर विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने का निर्णय लिया गया है, इसलिए यह आशा की जाती है कि वहां उस पर व्यापक विचार-विमर्श के दौरान उसे वास्तव में सरल रूप देने में मदद मिलेगी। इस अपेक्षा के साथ ही यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसा माहौल बनाने की आवश्यकता है, जिससे लोग स्वेच्छा से आयकर देने को प्रेरित हों और उनके मन में किसी तरह का भय न रहे। जितना आवश्यक आयकर संबंधी नियम-कानून सरल करना है, उतना ही इसकी गुंजाइश खत्म करना भी कि आयकर विभाग लोगों से अनावश्यक रूप से न तो सवाल-जवाब कर सके और न ही किसी भूल-चूक पर उन्हें तंग कर सके। यह तब संभव होगा, जब आयकर अधिकारी आयकरदाताओं को संदेह की दृष्टि से देखना बंद करेंगे। उन्हें यह भी समझना होगा कि आयकर बचाने के उपाय अपनाने का मतलब कर चोरी करना नहीं होता। आयकर विभाग को उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते लोग आय छिपाने के जतन करते हैं। इसी के साथ ऐसी भी व्यवस्था करनी होगी, जिससे आयकर का आकलन करने और उसकी वसूली में भ्रष्टाचार न होने पाए। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि चंद दिनों पहले ही फेसलेस असेसमेंट योजना में सेंधमारी का मामला सामने आया। इस मामले में आयकर विभाग के एक डिप्टी कमिश्नर को भी लिप्त पाया गया। यह भी समय की मांग है कि सरकार आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने के उपाय करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान में आयकर देने वालों की संख्या चार करोड़ से भी कम है। इनमें मुख्यत: वे ही हैं, जो नौकरीपेशा हैं। यह सही समय है कि उन लोगों पर निगाह दौड़ाई जाए, जो समर्थ होते हुए भी आयकर नहीं देते। आखिर जो संपन्न किसान एक सीमा से अधिक आय अर्जित करते हैं, उन्हें आयकर के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि कृषि आय को टैक्स के दायरे से बाहर रखने के नियम का दुरुपयोग भी किया जा रहा है।

किसान आंदोलन का अबतक नहीं निकला कोई नतीजा, सरकार से हुई बैठक के बाद भी नहीं बनी बात

आंदोलन में जान बनाए रखने के लिए डल्लेवाल आमरण अनशन पर बैठे। उनकी बिगड़ती सेहत पर सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद केंद्र सरकार ने भी सकारात्मक रुख अपनाया और बातचीत की तारीख का एलान किया।

शंभू और खनौरी सीमा पर एक साल से किसान डटे हुए हैं और अब जाकर सरकार बातचीत करने वाली है। किसानों की केंद्र सरकार के साथ अहम बैठक होने वाली है। इससे पहले किसानों ने आंदोलन के एक साल पूरा होने पर महापंचायत बुलाई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कर्ज मुक्ति, और पेंशन योजना सहित 12 मांगों को लेकर किसान आंदोलन पर हैं। उन्होंने पांच बार दिल्ली कूच करने की कोशिश भी की। इस आंदोलन को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन से नई ऊर्जा

मिली। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले का संज्ञान लिया और पंजाब सरकार को डल्लेवाल को चिकित्सकीय सहायता देने के निर्देश दिए। दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर एक साल चले आंदोलन को केंद्र सरकार ने एक समझौता करके खत्म कर दिया था, लेकिन उस समझौते की मुख्य मांगों पर आज तक अमल नहीं हो सका है। पहला आंदोलन संयुक्त किसान मोर्चा की अगुआई में हुआ था। डल्लेवाल की अगुआई में नया आंदोलन 13 फरवरी 2024 से शुरू हुआ। आंदोलन में जान बनाए रखने के लिए डल्लेवाल आमरण अनशन पर बैठे। उनकी बिगड़ती सेहत पर सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद केंद्र सरकार ने भी सकारात्मक रुख अपनाया और बातचीत की तारीख का एलान किया। ऐसा नहीं है कि किसान आंदोलन के दौरान सरकार ने बातचीत न की हो। किसानों की नाराजगी को देखते हुए 2024 में केंद्र सरकार ने आठ और फिर 12 फरवरी को संगठन के नेताओं से बातचीत की थी। इसके बाद 13 फरवरी से किसानों ने आंदोलन शुरू कर दिया। सरकार ने 15 और फिर 18 फरवरी 2024 को भी किसान नेताओं के साथ बातचीत की। तब भी कोई हल नहीं निकला। इसके बाद से मामला ठंडा पड़ गया। शुक्रवार को प्रस्तावित बातचीत पर सभी की निगाहें टिकी हैं। किसानों को उम्मीद है कि इस बार केंद्र सरकार उनकी अवश्य सुनेगी। इस नए संवाद में जरूरी है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को सुनें और एक-दो कदम पीछे भी हटें, तभी कोई हल निकल पाएगा।

कार्तिक-करण करेंगे 'आइफा अवार्डस' को होस्ट...

जयपुर। पहली बार जयपुर में होने जा रहे आईफा अवार्डस कई मायनों में खास है। इसमें 100 से ज्यादा बॉलीवुड के सितारे जयपुर आएंगे। 25 साल पूरे कर रहे इस शो की थीम 'सिल्वर इज द न्यू गोल्ड' है। शो के दोनों दिन राजस्थानी कलाकार लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे। इस बार राजधानी जयपुर में होने वाले आइफा अवार्डस शो पर सिंगर श्रेया घोषाल फिल्म इंड्रस्टी में 25 साल पूरे करने वाले सितारों को तो करीना कपूर शोमैन राजकपूर की 100वीं जयंती पर विशेष ट्रिब्यूट देंगी। शो के पहले दिन यानी 8 मार्च को एक्टर अपारशक्ति खुराना होस्ट करेंगे। दूसरे दिन यानी 9 मार्च को मुख्य अवार्डस कार्तिक आर्यन और करण जौहर होस्ट करेंगे।

लाइफ Style

कियारा

दो भाषाओं में कर रहीं 'टॉक्सिक' की शूटिंग

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी पहली कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीता मोहनदास के हाथों में है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन गैंगस्टर ड्रामा है, जिसे अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

बीते काफी समय से कियारा का करियर कुछ खास नहीं चल रहा है। ऐसे में 'टॉक्सिक' से उन्हें काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा मेहनत भी कर रही हैं। कियारा आडवाणी इस फिल्म में दोनों भाषाओं (अंग्रेजी और कन्नड़) में अपने संवादों को प्रस्तुत करेंगी, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। 'केजीएफ चैप्टर 2' के बाद यश इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि इस नई जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्सुक नजर आ रहे हैं। 'टॉक्सिक' का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म इस साल वैश्विक स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग बेंगलुरु में चल रही है। निर्देशक गीता मोहनदास से दर्शक शानदार एक्शन और कहानी की उम्मीदें लगाए बैठे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में कियारा आडवाणी को फिल्म 'गेम चेंजर' में देखा गया था। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ दिखी थीं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। वहीं, उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ दिखेंगी।

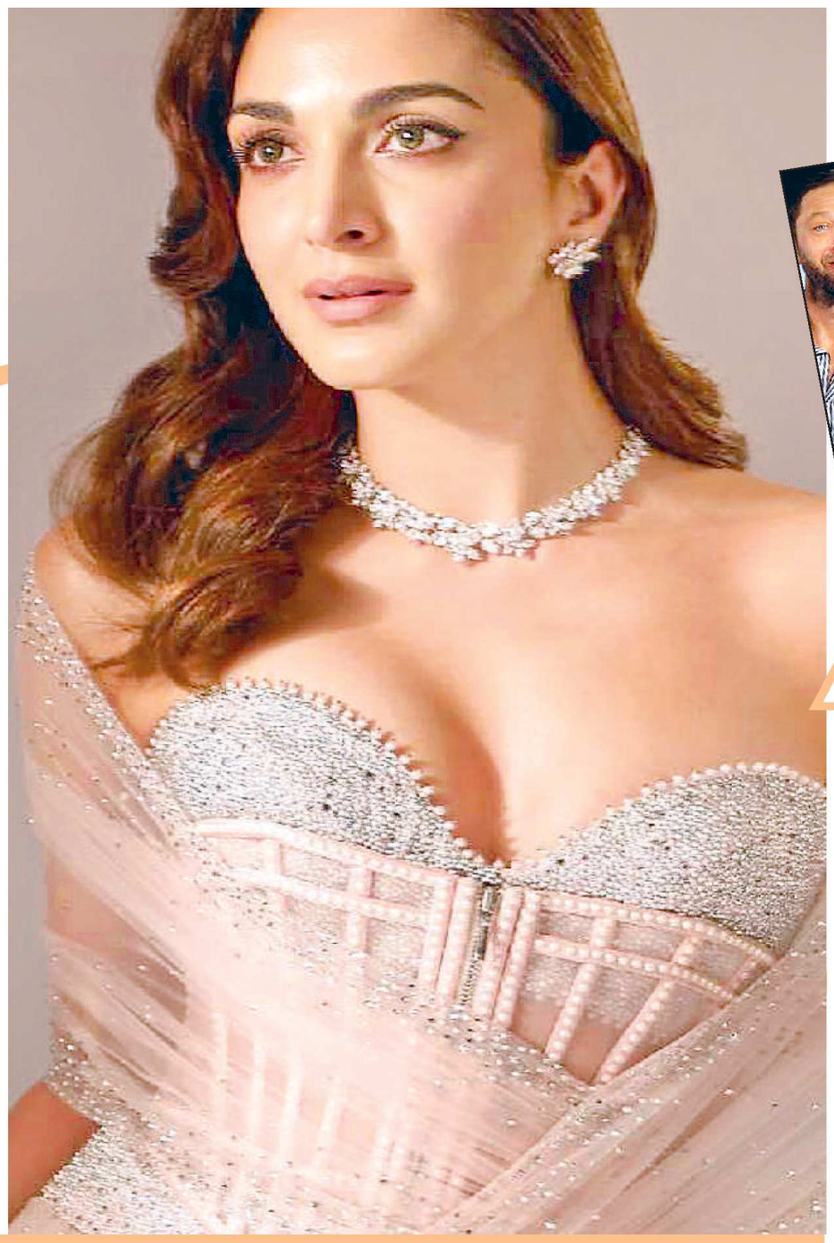

हॉलीवुड मसाला

'फैंटास्टिक फोर...' 25 को होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। मार्वल स्टूडियो की फिल्म 'फैंटास्टिक फोरः फर्स्ट स्टेप्स' 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। मंगलवार को मार्वल द्वारा फिल्म 'फैंटास्टिक फोरः फर्स्ट स्टेप्स' का पहला टीजर रिलीज किया गया है, जिसके बाद इसके पोस्टर को एआई जनरेटेड कहकर लोगों ने सोशल मीडिया पर कई सवाल किए। हालांकि, इस फिल्म के निर्देशक ने तुरंत इसपर जवाब दिया कि अभिनेताओं की आवाज बदलने के लिए किसी भी एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

बार्बी हसू ने डीजे कू से की थी दूसरी शादी...

लॉस एंजिल्स। बार्बी हसू ने 2011 में चीनी व्यवसायी वांग शियाओफेई से शादी की थी। 2021 में उनका तलाक हो गया, जिसमें धोखा देने के आरोप भी शामिल थे। बार्बी ने बाद में 2022 में दक्षिण कोरियाई गायक और गीतकार डीजे कू के साथ शादी कर ली। ताइवान की अभिनेत्री बार्बी हसू की 48 साल की उम्र में निमोनिया से मौत हो गई। बार्बी को टीवी सीरीज मेटियोर गार्डन (2001) में अभिनय के लिए जाना जाता था। वह मंदारिन भाषी दुनिया के सबसे बड़े नामों में से एक थीं। डीजे कू को अपना दर्द व्यक्त करने के लिए मुश्किल से शब्द मिल पाए। उन्होंने बस इतना कहा, 'मैं ठीक नहीं हूं।' जब उनसे इस अटकल के बारे में पूछा गया कि यह खबर फर्जी हो सकती है तो उन्होंने जवाब दिया, 'यह फर्जी खबर नहीं है।'

वीडियो शेयर कर दिखाई महाकुंभ की झलक

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने भी बेटी और माता-पिता संग महाकुंभ पहुंचकर पवित्र स्नान किया हैं। एक्ट्रेस ने एक क्लिप शेयर कर अपनी इस यात्रा की झलक दिखाई हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ मेले में बॉलीवुड सेलेब्स के पहुंचने का सिलसिला जारी हैं। अब तक कई सितारे महाकुंभ में पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। अब इस लिस्ट में एक और अभिनेत्री का नाम जुड़ गया हैं। दरअसल, एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने भी अपने माता-पिता और बेटी रियाना के साथ महाकुंभ में पवित्र स्नान किया। रील में एक्ट्रेस अपनी बेटी के साथ पानी में डुबकी लगाती नजर आ रही हैं। एक फ्रेम में उनके माता-पिता नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में अभिनेत्री को प्रार्थना करते हुए दिखाया गया हैं। एक्ट्रेस ने क्लिप में महाकुंभ का भव्य नजारा भी दिखाया हैं।

बन रही 'सनम तेरी...' की सीक्वल...!

नई दिल्ली। नौ साल पहले पहली बार रिलीज हुई अभिनेता हर्ष वर्धन राणे की फिल्म 'सनम तेरी कसम' ने सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होने पर जो कमाल किया है, उसने हिंदी सिनेमा को कहानियों की एक नई दिशा तो दिखाई ही है, इस कामयाबी ने फिल्म से जुड़े सारे कलाकारों और तकनीशियनों को भी उत्साहित कर दिया है। फिल्म की निर्देशक जोड़ी राधिका राव और विनय सप्रू तो इतने उत्साहित है कि उन्होंने फिल्म की सीक्वल के बारे में मीडिया को बताना शुरू कर दिया है। फिल्म 'सनम तेरी कसम' की निर्देशक जोड़ी राधिका राव और विनय सप्रू ने मंगलवार की सुबह ही ये कहा कि उनके पास इस फिल्म की सीक्वल की कहानी तैयार है और फिल्म के गाने वगैरह भी उनके पास रेडी हैं।

टीवी मसाला

'आमी डाकिनी' में तस्वीर से बाहर निकलकर डराएगी चुड़ैल

नई दिल्ली। बॉलीवुड में हॉरर फिल्में इस समय बहुत पसंद की जा रही हैं। कोई भी अगर बॉलीवुड फिल्म आ रही है तो वो पहले ही हिट साबित हो जाती हैं। भूल भुलैया 3, स्त्री 2 और मुंज्या जैसी फिल्में हिट साबित हुई थीं। इन फिल्मों को देखना पसंद करते हैं। अब फिल्मों के बाद टीवी पर भी हॉरर की वापसी हो रही हैं। टीवी पर भी हॉरर शो आने वाले हैं। नए हॉरर शो का मोशन पोस्टर सामने आया है जिसे देखकर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। आहट, श१११श... जैसे कई हॉरर शोज आए थे, जिन्होंने लोगों को खूब डराया हैं। अब टीवी पर चुड़ैल डराने आ रही हैं। चुड़ैल लोगों की नींद खराब करने वाली हैं। इस हॉरर शो का नाम आमी डाकिनी हैं। आमी डाकिनी शो 24 फरवरी से सोनी टीवी पर शुरू होने जा रहा हैं। ये शो सोमवार-शुक्रवार रात 10 बजे आएगा। इस हॉरर शो के कुछ सीन्स सामने आ गए हैं जिसे देखकर कुछ लोग इसका मजाक उड़ा रहे हैं कुछ को इसका बेसब्री से इंतजार हैं। आमी डाकिनी के मोशन पोस्टर में एक महिला फोटो से बाहर निकलकर चिल्लाती नजर आ रही हैं। ये शो कोलकाता के बैकग्राउंड पर आधारित हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में शीन दास लीड रोल में नजर आने वाली हैं। शो में चुड़ैल अपने पति की तलाश में वापस लौट रही हैं। इस पोस्टर को देखकर लोगों को कुछ खास मजा नहीं आ रहा हैं। इस मोशन पोस्टर को देखकर लोगों को बिल्कुल भी डर नहीं लग रहा हैं।

एकता ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर पहुंचीं। एकता कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस यात्रा की कुछ झलकियां शेयर की हैं। वो अपनी यात्रा के दौरान अपने समय का भरपूर एंजॉय करती नजर आईं। एकता ने जो वीडियो शेयर किया उसमें टीवीएफ के संस्थापक अरुणभ कुमार भी नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में एकता ने संगम नदी में डुबकी लगाने के बाद की झलक शेयर की। वो बोट राइड भी एंजॉय करती नजर आईं। उन्होंने पक्षियों को दाना भी दिया। एकता ने अपने साथ के लोगों के साथ वीडियो शेयर किया। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा- महाकुंभ। वो मंदिर भी गईं। उन्होंने माथे पर चंदन लगाए फोटो भी शेयर की। बता दें कि एकता कपूर इन दिनों शो नागिन 7 को लेकर चर्चा में हैं। ये शो जल्द ही शुरू होने वाला है। शो में लीड एक्ट्रेस कौन होगी इसे लेकर काफी कयास लगाए जा रहे हैं। दूसरी तरफ, एकता कपूर के प्रोडक्शन वेंचर, 'द साबरमती रिपोर्ट' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई प्रमुख नेताओं से प्रशंसा मिली थी।

'परम सुंदरी' के सेट से सिद्धार्थ-जान्हवी की तस्वीरें वायरल

मुंबई। अभिनेत्री जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों केरल में अपनी आगामी फिल्म 'परम सुंदरी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। पिछले कुछ दिनों से फिल्म के सेट से दोनों की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर केरल के अथिरापल्ली झरने में नाव की सवारी करते नजर आए। इस दौरान जान्हवी ऑफ-व्हाइट साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि सिद्धार्थ ने नीली शर्ट और ग्रे पैंट पहनी हुई है। वहीं, कुछ अन्य तस्वीरों में सिद्धार्थ सेट पर प्रशंसकों के साथ पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में जान्हवी नाव पर बैठी हुई और हाथ में छाता पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। दिसंबर 2024 में मैडॉक फिल्म्स ने घोषणा की थी कि जान्हवी और सिद्धार्थ रोमांटिक-कॉमेडी के लिए साथ आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारत के एक लड़के और दक्षिण भारत की एक लड़की के बीच की प्रेम कहानी पर आधारित है। फिल्म के निर्माताओं ने पिछले साल इसके रिलीज की भी घोषणा कर दी थी। उन्होंने लिखा था, 'उत्तर का स्वैग, दक्षिण की शान दो दुनियाएं आपस में टकराती हैं और चिंगारी उड़ती है।

लता मंगेशकर और आशा भोसले क्यों पहनती थीं सफेद साड़ी? बाहर निकलते ही बदल जाता था रवैया...

नई दिल्ली। भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में लता मंगेशकर और आशा भोसले दो ऐसे नाम हैं जिन्होंने बॉलीवुड को बहुत कुछ दिया। दोनों बहनें प्रोफेशनल फ्रंट पर जितनी समर्पित और सक्रिय थीं, उतना ही उनका आपसी रिश्ता मजबूत था।

आशा भोसले ने एक हालिया पॉडकास्ट में बताया कि ऐसा क्यों था कि दोनों बहनें (आशा और लता) ज्यादातर सिर्फ सफेद साड़ी पहना करती थीं? ऐसा नहीं था कि आशा भोसले और लता मंगेशकर ने अपने आउटफिट को लेकर दूसरे कलर्स ट्राय नहीं किए थे, लेकिन खासतौर पर सफेद पहनने के पीछे एक वजह थी जो उन्होंने अमृता राव और आरजे अनमोल के साथ बातचीत के दौरान बताई।

कलर कॉम्पलेक्शन के हिसाब से ज्यादा सूट करता है सफेद : आशा भोसले ने 'कपल ऑफ थिंग्स' नाम के पॉडकास्ट में बताया, 'दीदी (लता मंगेशकर) और मैं हमेशा सफेद साड़ी पहना करते थे। हमें लगा कि हमारे कलर कॉम्पलेक्शन के हिसाब से सफेद ज्यादा सूट करता है। अगर हम कोई दूसरा रंग पहनते तो हम ज्यादा डार्क नजर आते। बाद में मैंने पिंक साड़ी पहनना शुरू किया था और दीदी मुझे तिरछी नजर से देखा करती थीं। लेकिन, फिर मैंने धीरे-धीरे पिंक के साथ दूसरे कलर्स जोड़ना शुरू कर दिया।' आशा भोसले ने बताया कि जब भी लता उनसे पब्लिक में मिलतीं तो बहुत फॉर्मल अप्रोच कायम करती थीं।

गायकी के मामले में नहीं होता था कोई रिश्ता

आशा भोसले ने बताया, 'बात जब गायकी की आती थी तो हमारे बीच कोई रिश्ता नहीं था। बाहर की दुनिया में वह लता मंगेशकर हुआ करती थीं, दुनिया में उनका अपना एक स्टेटस था। घर पर हम बातें करते, लेकिन बाहर कोई औपचारिक बातचीत नहीं होती थी। वह अपना वो औरा कायम रखती थीं, लता मंगेशकर के तौर पर उनकी मौजूदगी, उनका स्टेटस बनाए रखती थीं।' मालूम हो कि लता मंगेशकर की आवाज ने बॉलीवुड को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचा दिया था। साल 2022 में लता मंगेशकर ने 92 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

घर में अलग और बाहर अलग होता था रवैया : जबकि घर में दोनों की बातचीत बहुत सामान्य और सहज होती थी। आशा भोसले ने बताया, 'दीदी घर पर बहुत नॉर्मल होती थीं। वह बाहर मुझसे बहुत शालीनता और औपचारिक लहजे में बात करती थीं, लेकिन घर पर हमारा एक अलग कनेक्शन था। हम मराठी में बात करते थे और हमारी बातचीत बहुत आम होती थी। लेकिन, जैसे ही वह घर से बाहर निकलती थीं, वो 'लता मंगेशकर' बन जाती थीं। एक लीजेंड, एक आइकॉन और हमारे आपसी समीकरणों में अचानक एक बदलाव आ जाता था।' आशा ने बताया कि गायकी को लेकर दोनों के बीच किसी तरह का रिश्ता नहीं हुआ करता था।

समय-समय पर ऐसे रोमांटिक सीरियल्स आए हैं, जिनके दर्शक हो गए दीवाने

प्यार के रंग में रंगे टीवी के ये हिट सीरियल्स, वैलेंटाइन वीक पर एक बार फिर देखिए

नई दिल्ली। बॉलीवुड ही बेहतरीन रोमांटिक फिल्में नहीं बनाता है, टीवी पर भी समय-समय पर ऐसे रोमांटिक सीरियल्स आए हैं, जिनके दर्शक दीवाने हो गए। आज भी इन टीवी सीरियल्स की फैन फॉलोइंग है। वैलेंटाइन वीक पर हम आपको ऐसे ही कुछ रोमांटिक हिट टीवी सीरियल्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप अपने लव या लाइफ पार्टनर के साथ देख सकते हैं।

कितनी मोहब्बत है

कृतिका कामरा और करण कुंद्रा स्टारर टीवी सीरियल 'कितनी मोहब्बत है' के दो सीजन आए थे। पहले सीजन में कहानी कुछ ऐसी थी कि अर्जुन (करण कुंद्रा) और आरोही (कृतिका कामरा) एक-दूसरे को प्यार करते हैं लेकिन कुछ गलतफहमियों के कारण इनके रिश्ते में दूरी आ जाती है, ये जुदा हो जाते हैं। अर्जुन को जब सच्चाई का पता चलता है तो वह चुपचाप आरोही के सपनों को पूरा करने की कोशिश करता है। इसी तरह कई उतार-चढ़ावों को पार कर आखिर में अर्जुन और आरोही मिल जाते हैं, इनकी मोहब्बत सफल हो जाती है। 2009 में आए इस सीरियल की एक अलग ही फैन फॉलोइंग बन गई थी, जो आज भी बरकरार है।

इस प्यार को क्या नाम दूं

2011 में एक टीवी सीरियल 'इस प्यार को क्या नाम दूं' दर्शकों के बीच काफी हिट हुआ। इसमें अर्णव रायजादा का किरदार एक्टर वरुण सोबती ने निभाया था। वहीं खुशी कुमारी का किरदार सनाया ईरानी ने निभाया। यह प्रेम कहानी एक छोटे शहर की लड़की खुशी और एक सख्त मिजाज बिजनेसमैन अर्णव के बीच की थी। कॉमेडी के रंग में रंगी यह प्रेम कहानी दर्शकों को काफी अच्छी लगी थी।

प्यार की ये एक कहानी

एक वैंपायर और एक आम लड़की की कहानी को सीरियल 'प्यार की ये एक कहानी (2010)' में दिखाया गया। इसमें वैंपायर के रोल में विवियन डिसेना नजर आए थे। यह सीरियल फिल्म 'ट्वाइलाइट' से इंस्पायर था। सीरियल में आम लड़की के रोल में सुकीर्ति कांडपाल नजर आई थीं।

मधुबाला

साल 2012 में विवियन डिसेना एक रोमांटिक सीरियल 'मधुबाला' में भी नजर आए। इसमें विवियन ने एक सुपरस्टार आरके का रोल निभाया था, जिसे एक साधारण लड़की से प्यार हो जाता है। लेकिन इनके रिश्ते में कई बार उतार-चढ़ाव आते हैं। इस सीरियल के बाद से ही विवियन डिसेना टीवी पर काफी पॉपुलर हो गए थे। हाल ही में वह रियालिटी शो 'बिग बॉस 18' में भी नजर आए।

दिल मिल गए

टीवी पर साल 2007 में 'दिल मिल गए' सीरियल आया, यह सीरियल 'संजीवनी' का ही आगे का पार्ट था। इस सीरियल में करण सिंह ग्रोवर लीड में थे। फीमेल लीड दो-तीन बार बदलीं। इस सीरियल के भी कई सीजन आए। मेडिकल ड्रामा के अलावा इस सीरियल की प्रेम कहानी यंग ऑडियंस को काफी पसंद आई।

सार समाचार

जवाहरनगर दिगंबर जैन मंदिर शिखर का हुआ कलशारोहण

कलम का अधिकार, कोटा। जवाहर नगर स्थित श्री पंचबालयती दिगंबर जैन मंदिर में विराजित आचार्य प्रज्ञासागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जवाहर नगर जिनालय में नवनिर्मित मंदिर के शिखर और कलशारोहण का भव्य आयोजन शुक्रवार को हुआ। सकल दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष विमल जैन नान्ता ने बताया शुक्रवार को प्रात: साढ़े 8 बजे मंदिर के शिखर की प्रतिष्ठा विधानाचार्य पंडित उदय शास्त्री के द्वारा प्रारंभ की गई, उससे पूर्व जिनेंद्र भगवान का अभिषेक शांतिधारा एवं अष्टद्रव्य से पूजन कर आचार्य महाराज की पूजन की गई। आज की शांति धारा और शिखर पर कलश स्थापना का पुन्यार्जन दानवीर श्रेष्ठी सुरेश कुमार सिद्धार्थ कुमार बाबरिया दोतडावालों ने किया। मंदिर पर ध्वजा की स्थापना का पुन्यार्जन हेमलताजी,वैभव,सोनल जैन सर्राफ ने किया। जवाहर नगर जिनालय समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र गोधा ने बताया कि 9 बजे मंत्रोच्चार द्वारा शिखर पर स्वर्ण कलश स्थापित किया गया।तत्पश्चात आचार्य प्रज्ञासागर महाराज के मंगल प्रवचन एवं 11 बजे संघ की आहार चर्या संपन्न हुई। सांय साढ़े 6 बजे आनंद यात्रा के माध्यम से सभी श्रद्धालुओं ने जिनेंद्र भगवान की भक्ति की। इस दौरान अध्यक्ष सुरेंद्र गोधा,सचिव अरुण पहाड़िया,लोकेश जैन,यतीश खेड़ावाला,विनय जैन,जेके जैन प्रकाश बज आदि उपस्थित रहे।

फोटो रोटरी

रोटरी क्लब कोटा दिव्यांगजन मेगा सहायता शिविर 22 से 24 फरवरी को

श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से होंगे उपकरण वितरित

कलम का अधिकार, कोटा। रोटरी क्लब कोटा की ओर से श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से भारत के सबसे बड़े दिव्यांगजन सहायता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत् फरवरी माह में विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण वितरित किए जा रहे हैं। अभियान के पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को शहर भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन के द्वारा रोटरी बिनानी सभागार में किया गया। क्लब अध्यक्ष मुकेश व्यास ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 15-16 फरवरी को केलवाड़ा, 19-20 फरवरी को इटावा, 22, 23, 24 फरवरी को कोटा तथा 26-27 फरवरी बेगूं में शिविर लगाए जाएंगे। मनोहरथाना में 11-12 फरवरी को विशाल शिविर आयोजित किया जा चुका है। सचिव घनश्याम मूंदडा ने बताया कि रोटरी क्लब कोटा सदैव समाज के वंचित वर्गों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इस महाअभियान के तहत लगभग 10 हजार दिव्यांगजनों को जयपुर फुट, कैलिपर्स, व्हीलचेयर, बैसाखी, ट्राय साइकल, श्रवण यंत्र जैसे आवश्यक उपकरण निशुल्क वितरित किए जाएंगे। जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। प्रोजेक्ट चेयरमैन अनुपम शर्मा एवं प्रवीण भंडारी ने बताया कि इस विशाल आयोजन का उद्देश्य विशेष योग्यजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन को सहूलियत, सम्मान और सशक्तिकरण प्रदान करना है। यह सेवा अभियान न केवल दिव्यांगजनों को सहारा देगा, बल्कि समाज में समानता, सहानुभूति और सेवा भावना को भी सशक्त करेगा। शिविरों की तैयारियों को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सैकड़ों दिव्यांगजन सहायता उपकरण प्राप्त करने के लिए पंजीकरण करवा चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रवक्ता संजय गोयल ने समाज से अपील करते हुए कहा कि सेवा का यह महायज्ञ, आमजन की आहुति से ही पूर्ण होगा।आइए, एक कदम आगे बढ़ाएं और जरूरतमंदों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने के इस महान अभियान का हिस्सा बनें।

स्काउट गाइड्स ने रैली के दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में दिखाया दम

कलम का अधिकार, कोटा। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड कोटा जिले की ओर से पांच दिवसीय जिला प्रतियोगिता रैली का शुक्रवार को दशहरा मैदान में कलर पार्टी द्वारा झंडारोहण के साथ विधिवत् शुभारंभ हुआ,मुख्य अतिथि भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन थे।अध्यक्षता स्काउट गाइड जिला प्रधान प्रकाश जायसवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप माथुर, सामाजिक न्याय एवं बाल अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक मनोज मीणा, शिवशक्ति अस्पताल के निदेशक डॉ. मनोज नागर थे। अतिथियों ने मार्चपास्ट की सलामी दी। मंचासीन अतिथियों के साथ फतेहचंद बागला,अरुण भार्गव आरके शर्मा ने रैली पुस्तिका कर्तव्य पथ का विमोचन किया। स्वागत उद्बोधन यज्ञदत्त हाडा एवं धन्यवाद प्रकाश जायसवाल ने दिया। सायंकॉल को कैंप फायर का आयोजन राज्य प्रधान सुमन श्रृंगी के सानिध्य में हुआ। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के तहत नाटक, गीत संगीत प्रस्तुत किए गए। पर्यावरण संरक्षण व बेटी बचाओ का संकल्प भी दिलाया गया।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैली में शुक्रवार को ग्रुप स्तर पर बीपी सिक्स प्रतियोगिता, शिविर कला प्रतियोगिता, मार्च पास्ट प्रतियोगिता, व्यायाम प्रदर्शन प्रतियोगिता, बैंड प्रतियोगिता, कलर पार्टी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, प्राथमिक सहायता, कैंप क्राफ्ट शिविर कला, पेट्रोल पायनियरिंग, टेंट पिचिंग स्टीमेशन, पेट्रोल इन काउंसिल प्रतियोगिता, स्किल ओ रामा, पारंपरिक पहनावे में एथेनिक फैशन शो, कैंप फायर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता रैली में कोटा जिले के विभिन्न स्थानीय संघ कोटा दक्षिण, कोटा, रामगंजमंडी, कनवास, सांगोद, सुल्तानपुर, इटावा से लगभग 1 हजार स्काउट गाइड भाग ले रहे हैं। रैली की थीम स्वच्छ राजस्थान सुंदर राजस्थान रखी गई है।

रेल मजदूर संघ क्रिकेट प्रतियोगिता में आज होंगे सेमीफाइनल मुकाबले

कलम का अधिकार, कोटा। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ द्वारा स्व.केशव एच कुलकर्णी की स्मृति में छठवीं रेलवे अन्तर्विभागीय प्रतियोगिता का आज छठा दिन था। खेलकूद सचिव अजय चंद्रावत एवं भूपेंद्र धाकड़ ने बताया कि संघ के बैनर तले अन्तर्विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में आज छठे दिन मुख्य अतिथि अनीस अहमद डिप्टी एसपी (एसीबी) मौजूद रहे। आज खेले गए तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वर्कशॉप की टीम टीआरओ 11 से भिड़ी, इस एक तरफा मुकाबले में वर्कशॉप की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 166 रन का लक्ष्य खड़ा किया जिसके जवाब में टीआरओ 11 की टीम मात्र 102 रन पर ढेर हो गई।मनोज को 3 विकेट लेने और 27 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। आज खेले गए अंतिम क्वार्टर फाइनल में इंजीनियरिंग वॉरियर्स व सुपर वॉरियर्स 11 की टीम आमने-सामने थी, इंजीनियरिंग वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए, विजय सिंह मीणा, शकील खान और ईश्वर आंजना की आतिशी पारियों के बदौलत 20 ओवर में रिकॉर्ड तोड़ 332 रन का स्कोर खड़ा किया। इस पारी में रिकॉर्डतोड़ 32 छक्के लगे। जिसके जवाब में सुपर वॉरियर्स 11 की टीम मात्र 168 रन पर ही ढेर हो गई, विजय सिंह मीणा को 34 बोलों पर धुआंधार 109 रन की पारी खेलने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। कल 15 फरवरी को प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। दूसरी ओर रस्साखींच प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों की 4 टीमों ने भाग लिया जिसमें फाइनल मुकाबला इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने जीता। इस अवसर पर मुख्य रूप से आर.सी.मीणा,रविंद्र शर्मा,चेतन शमा,अजय चंद्रावत, भूपेंद्र धाकड़, मट्ठू लाल मीणा, राकेश मोहन सोनी, प्रमोद कुमार, मोरध्वज मीणा, कलाम मोहम्मद, निजाम समेत सैकड़ो मजदूर संघ के कार्यकर्ता एवं खिलाड़ी मौजूद रहे।

जेसीआई एलिगेंस ने रक्तदान करके पुलवामा में शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

कलम का अधिकार, कोटा। पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को टीम जीवनदाता, जेसीआई एलिगेंस,अमृत हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर महिलाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान कर पुलवामा हमले में हुए शहीद जवानों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। एलिगेंस की अध्यक्ष गुंजीत जोहर व सचिव मनदीप साहनी,अस्पताल निदेशक रेणु मिश्रा ने बताया कि हम सभी का यह नैतिक दायित्व है कि हमारे जवानों को हम हमेशा याद करें, सरहद पर उनकी सलामती की दुआ करें।मुख्य अतिथि राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ नित्यानंद शर्मा ने बताया कि पुलवामा हमले में जो जवान शहीद हुए उन्हें याद करने का रक्तदान एक अच्छा माध्यम है,ताकि हम किसी के जीवन को बचा सकें। महावीर नगर विस्तार में आयोजित शिविर में 29 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। प्रोजेक्ट् डायरेक्टर तरुणा गुप्ता ने पति बेटे के साथ रक्तदान कर सेवा की मिसाल पेश की, वही अनुपमा सिस्टर ने अपनी दो बेटियों को रक्तदान करवाया ।

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि हेतु दौड़े एआरसी-एएफसी के धावक

अंता (फरहान गुड्डू)।नर्स चेरीटेबल संस्था और अंता फिटनेस क्लब के तत्वावधान में पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरुप ARC और AFC के धावकों द्वारा खेमजी गार्डन से हॉस्पिटल PWD तिराहा ,CAD तिराहा धानमंडी,शिवाजी चौक होते हुए धावक सरदार बल्लभ भाई पटेल स्टेडियम के सामने पहुँचे तथा मानव श्रृंखला बनाकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर पुलवामा शहीदों को याद किया। इस दोरान मुकेश मीणा रविंद्र शर्मा भूपेंद्र राठौर महावीर राव आदि सदस्य मौजूद थे

बल्लोप के पास पुलिस डिप्टी की कार ट्रॉले में टक्कर, चालक की मौत

बूंदी। नेशनल हाईवे 52 पर एक गंभीर हादसा हुआ,जिसमें बेकाबू ट्रक ने पीछे से आकर एसयूवी को टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई,जबकि एसयूवी में सवार आरपीएस अनिल जोशी और उनके चालक तथा गनमैन को मामूली चोटें आई है। सभी को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। तालेड़ा थानाधिकारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि हादसा गुरुवार देर रात थाना क्षेत्र के बल्लोप के पास शेखावटी ढाबे के सामने हुआ। अनिल जोशी अपनी सरकारी एसयूवी में बूंदी से बल्लोप की ओर आ रहे थे, तभी बेकाबू ट्रक ने एसयूवी को पीछे से टक्कर मार दी, जिसके बाद एसयूवी हाईवे से नीचे उतरकर ड्रेन में पलट गई, वहीं ट्रक भी पलट गया। दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।हादसे के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसे पुलिस ने तुरंत खुलवाया।पुलिस उप अधीक्षक हेमंत गौतम और तालेड़ा थाना अधिकारी अजीत बागडोलिया घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। अनिल जोशी बूंदी में पुलिस उप अधीक्षक के पद पर तैनात हैं वर्तमान में साइबर सेल का काम देख रहे हैं। हादसे में बालापुर निवासी राकेश पुत्र मोतीलाल ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद पुलिस ने एंबुलेंस के जरिए ट्रक चालक को अस्पताल भेजा,जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

अकलंक कॉलेज के विद्यार्थियों का कॉलेज की पैथोलॉजी लैब भ्रमण

कलम का अधिकार, कोटा। अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने अकलंक विद्यालय एसोसिएशन के अध्यक्ष पीयूष बज एवं सचिव अनिमेष जैन की अध्यक्षता में फैकल्टी सदस्य डॉ. रंजना गुप्ता और डॉ. सोनल सिंह के साथ पीएमसी अमेरिकन अस्पताल, इंद्रविहार की पैथोलॉजी लैब का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को लैब में उपस्थित चिकित्सकों और सहकर्मियों द्वारा विभिन्न प्रकार की जांच प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि किस प्रकार विभिन्न रोगों के लिए रक्त और ऊतक के नमूने एकत्रित किए जाते हैं और उन्हें विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजारकर स्लाइड तैयार की जाती है। इसके बाद माइक्रोस्कोप से नमूनों की जांच कर रिपोर्ट बनाई जाती है। सैंपलिंग के दौरान आवश्यक सावधानियों पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इस दौरान रक्त परीक्षण की हीमोग्लोबिन, शुगर, लिपिड प्रोफाइल, टी3-टी4-ञ्जस्॥ की जांच,बायोप्सी,माइक्रोबायोलॉजी टेस्ट,बैक्टीरिया, वायरस और फंगल संक्रमण की पहचान,मूत्र परीक्षण,किडनी संबंधी समस्याएं, डायबिटीज और संक्रमण की जांच सहित गर्भावस्था परीक्षण गर्भधारण की पुष्टि के लिए मूत्र द्वारा जांच,सीरोलॉजी टेस्ट के अलावा, मूत्र परीक्षण प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को मूत्र संग्रह विधि, परीक्षण प्रक्रिया और इससे संबंधित बीमारियों की जानकारी भी दी गई। प्रयोगशाला परिचारिका ने गर्भावस्था परीक्षण किट के उपयोग की प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया।

प्रतीक्षा चैरिटेबल फाउंडेशन ने शवों को मंदसौर पैतृक गांव पहुंचाया

कलम का अधिकार, कोटा। कुंभ से लौट रहे मंदसौर के रहने वाले 3 यात्रियों का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था, शवों को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर अनिल सिंगल एवं एमबीएस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने प्रतीक्षा चैरिटेबल फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रतीक्षा पारीक को इसकी सूचना दी। मानवता का फर्ज निभाते हुए सभी मृतकों के शवों को निशुल्क मंदसौर के लिए रवाना किया गया। प्रतीक्षा पारीक ने बताया कि परिवार की आय से अब तक कोटा में लगभग 101 और खंडेला में 52 दाह संस्कार करवा चुकी हैं। दाह संस्कार के अलावा फाउंडेशन द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किया हुआ है, जिस पर आने वाले कॉल के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद की जाती है। आर्थिक स्थिति से कमजोर व जरूरतमंदों की निरंतर मदद की जा रही है। प्रतीक्षा चैरिटेबल फाउंडेशन में राजस्थान में 300 से अधिक सदस्य जुड़े हुए है जो कि विभिन्न माध्यम से सेवा कार्य करते है।

भूमि विकास बैंकों को मिला 130 करोड़ का पुनर्वित्त,राठौड़ ने जताया आभार

कलम का अधिकार, कोटा। राजस्थान की 36 जिला भूमि विकास बैंकों को 130 करोड़ रुपये का पुनर्वित्त स्वीकृत किया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए भूमि विकास बैंक कोटा के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने जयपुर प्रवास के दौरान सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दत्त से शिष्टाचार मुलाकात कर आभार व्यक्त किया।

चैन सिंह राठौड़ ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कोटा जोन के अंतर्गत विभिन्न जिलों को ऋण वितरण के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। कोटा भूमि विकास बैंक को 2 करोड़, झालावाड़ को 1 करोड़ तथा बूंदी व बारां को 50-50 लाख रुपये का लक्ष्य 31 मार्च 2025 तक के लिए आवंटित किया गया है।राज्य सरकार द्वारा ब्याज अनुदान दिए जाने के परिणामस्वरूप भूमि विकास बैंकों द्वारा वितरित दीर्घकालीन कृषि ऋण मात्र 5.05 प्रतिशत और दीर्घकालीन अकृषि उत्पादक ऋण मात्र 7.05 प्रतिशत की ब्याज दर पर उपलब्ध होगा। राठौड़ ने कहाकि राजस्थान में मात्र भूमि विकास बैंक ही न्यूनमतम् दरो पर किसानों को ऋण उपलब्ध करवाता है।

चेन पुलिंग के जनवरी में 102 मामले पकड़े,47760 रुपए जुर्माना वसूला

कलम का अधिकार, कोटा। मंडल में डीआरएम अनिल कालरा के मार्गदर्शन एवं मंडल सुरक्षा आयुक्त ए नवीन कुमार के नेतृत्व में ट्रेनों में अनावश्यक रूप से चेन पुलिंग करने वाले यात्रियों पर शिकंजा कसा जा रहा है। मंडल के रेलवे सुरक्षा बल ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेन यात्रा के दौरान अलार्म चेन पुलिंग से बचें। इससे यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों के लिए समस्याएँ उत्पन्न होने के साथ रेल परिचालन में भी व?यवधान उत?पन?न होता है। अलार्म चेन पुलिंग की अवैध और असुरक्षित आदत के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ठोस कदम उठाये जा रहे है,ताकि सभी यात्रियों की यात्रा सुरक्षित और आरामदायक हो सके। रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत कोटा मंडल में आरपीएफ द्वारा वर्ष 2024 में कुल 1,497 मामले दर्ज कर न?यायालय के माध्यम से 6.5 लाख रूपये का जुर्माना एवं जनवरी 2025 में 102 मामले दर्ज कर न्यायालय के माध्यम से 47,760 रूपये का जुर्माना वसूला गया।

निगम उपायुक्त ने स्टेशन क्षेत्र की अन्नपूर्णा रसोइयों का निरीक्षण किया

कलम का अधिकार, कोटा। नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त अशोक त्यागी के निर्देश पर उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया ने शुक्रवार को नगर निगम द्वारा स्टेशन क्षेत्र में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया और भोजन ग्रहण कर रसोई में बनने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की। उपायुक्त सिसोदिया ने बताया कि स्टेशन क्षेत्र में निगम की 5 श्री अन्नपूर्णा रसोइयां संचालित है। जिनमें भोजन की थाली में 300 ग्राम चपाती,100 ग्राम दाल,100 ग्राम हरी सब्जी, 100 ग्राम खिचडी व अचार उपलब्ध कराया जाता है। आमजन प्रात: 9 से दोपहर 1 बजे तक तथा सांय 5 से 9 बजे तक इन रसोइयों में भोजन कर सकते है।

सीमल्या के पास हाईवे पर बेकाबू होकर बस पलटी, 19 यात्री घायल

कलम का अधिकार, कोटा। नेशनल हाईवे 27 पर फिर सड़क हादसा सामने आया है। तेज गति से चलते हुए स्लीपर कोच बस अचानक अनियंत्रित हो गई।हादसे में बस में सवार 19 लोग चोटिल हुए हैं, जिनमें से 9 को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्लीपर कोच बस गुजरात के अहमदाबाद से मध्य प्रदेश जा रही थी। बस में करीब 60 से 70 लोग सवार होने की बात सामने आ रही है।यह दुर्घटना कोटा जिले में सिमलिया थाना इलाके में पोलाई कलां के नजदीक हुई है। सिमलिया थाना के एएसआई शिवराज सिंह ने बताया कि दुर्घटना सुबह 4:30 बजे के आसपास हुई है।बस कोटा से क्रॉस करके पोलाई कलां के नजदीक पहुंची थी, जहां गत्ता फैक्ट्री के पास ही तेज गति से चलते हुए अनियंत्रित हो गई, संभवत चालक को नींद आ गई होगी।इसके बाद बस सड़क पर ही पलट गई। हादसे में 19 यात्रियों को चोट लगी है।इनमें 9 लोगों को डॉक्टर ने एमबीएस अस्पताल में भर्ती कर लिया है। दुर्घटना में शामिल महिलाएं, बच्चे और पुरुष है। बस में सवार अधिकांश लोग गुजरात मजदूरी करने के लिए गए थे और वापस अपने गांव लौट रहे थे। दूसरी तरफ सड़क पर दुर्घटना होने के चलते नेशनल हाईवे 27 पर कुछ देर जाम जैसे हालात भी बन गए थे। जिसको थाने की पुलिस ने मशक्कत कर खुलवाया।साथ ही क्रेन बुलाकर बस को साइड में भी करवाया जिसके बाद यातायात सुचारू हुआ।

टेक्निकल बोनान्जा में माँ भारती स्कूल के विद्यार्थियों की विजय

कलम का अधिकार, कोटा। माँ भारती के विद्यार्थियों ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट की ओर से पायथागोरस स्टार मैथमेटिक्स बायो ब्रिलियंस , क्योरिसिटी (जी.के.क्विज) टेक आर्ट (ड्राइंग) निर्माना (साइंस मॉडल) कम्पटीशन में भाग लिया। जिसमें ड्राइंग कम्पटीशन में 8वीं कक्षा के छात्र आरवी गर्ग ने प्रथम पुरुस्कार के रूप में 7000 रूपये की राशि नकद, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, कक्षा 9वीं का विद्यार्थी जयदित्य ने जी.के.क्विज में तृतीय पुरुस्कार के रूप में 3000 रुपये कि राशि नकद,यज्ञ राठौर व् इशिका ने साइंस मॉडल कम्पटीशन में 3000 रुपये तथा बायोक्विज में चित्रांशी राठौर ने सांत्वना पुरुस्कार प्राप्त किया।स्कूल डायरेक्टर उर्वशी विजय ने सभी मेधावी विद्यार्थियों की प्रंशसा की, प्रिंसिपल मोनिका मालिक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए जीवन में आगे बढने की प्रेरणा दी।

शादी समारोह में बजने वाले ध्वनि यंत्रों से परेशान हैं कॉलोनियों के आमजन

कलम का अधिकार, कोटा। शिक्षा नगरी में नगर निगम कोटा उत्तर एवं दक्षिण के फायर अनुभाग ने संयुक्त टीम बनाकर के बहुमंजिला इमारतों समेत कई निर्माणाधीन इमारतों का निरीक्षण किया जा रहा है, सुरक्षा की दृष्टि से अगर देखा जाए तो हमारे कोटा शहर में बड़े-बड़े मैरिज गार्डन एवं रिसोर्ट हैं ,उनके अंदर हजारों की संख्या में शादी-ब्याह के दौरान उत्सव के रूप में लोग शामिल होते है। विशेषत: हमारी आमजन की समस्या या किसी तरह की जनहानि होने पर ही प्रशासन उसकी तरफ ध्यान देता है,अगर पहले से ही इन पर विचार किया जावे तो कहीं बड़ी घटनाओं से बचाव के कारण सामने आते है। रिसोर्ट्स के सामने कहीं पर भी पूर्ण रूप से पार्किंग की सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण रोड से गुजरने वालों के लिए जाम की स्थिति बन जाती है एवं इसके साथ ही रिसोर्ट में अग्निशमन से संबंधित कोई बचाव के उपकरण एवं सिस्टम उपलब्ध नहीं है। अगर इनको पूर्ण रूप से चेक किया जाए तो कहीं भी कोई ऐसी बड़ी घटना घटने पर,उसके बचाव का साधन नहीं है। अगर इनको प्रॉपर जिला प्रशासन ध्यान देकर के बिना किसी दबाव के अगर चेक किया जावे तो कोटा के 80 से 90 परसेंट मैरिज गार्डन एवं रिसोर्ट बिना सुरक्षा के चल रहे हैं। इनके पास स्कूल चलाने के अनुमति एवं अनुज्ञा पत्र भी नहीं है, संबंधित थानों के अधीन गैर वाजिब तरीके चल रहे हैं, उसमें पुलिस प्रशासन की लापरवाही बढ़ती जा रही है।

बड़ी-बड़ी कॉलोनी के बीच में यह मैरिज गार्डन एवं रिसोर्ट बने हुए हैं लेकिन ध्वनि प्रदूषण एवं वहां से होने वाली गंदगी या झूठन, उसको वही डाल दिया जाता है,जिससे आसपास में रहने वाले लोगों को परेशानी एवं आवारा जानवर फूड पोइजन के शिकार होकर के मर जाते हैं और वहां की उस सड़ांध से आसपास रहने वालों के लिए, वहां से निकलना और आसपास रहना दुभर हो जाता है। यही हाल होता है ध्वनि प्रदूषण का, जिसमें डीजे की आवाज का कोई कंट्रोल फिक्स नहीं होता है और अपनी मनमर्जी से तेज आवाज में डीजे बजाने के कारण कई सीनियर सिटीजन रात्रि में सो नहीं पाते हैं एवं छोटे बच्चों के लिए बहुत बड़ी एक समस्या बन जाती है। पढ़ने वाले बच्चों के लिए पढ़ाई का कर्म खत्म हो जाता है। इन सब चीजों के ऊपर कोटा जिला प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। नगर निगम में तानाशाही चल रही है,पार्षदों को बोलने का मौका नहीं दे रहे, जिला प्रशासन को फुर्सत नहीं है, समस्या गंभीर है,आमजन किस से फरियाद करें।

कोटा में सरस राजसखी मेला शुरू, महिलाओं की आजीविका के लिए बड़ा ऋण वितरण

कलम का अधिकार, कोटा। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्, ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में कोटा के दशहरा मैदान में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्तर का सरस राजसखी मेले का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजपाल सिंह रहे, विशिष्ट अतिथि बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सतीश कुमार यादव, जिला अग्रणी प्रबंधक दिलीप कौर रही।अध्यक्षता राजीविका की जिला परियोजना प्रबंधक नेहा चतुर्वेदी ने की।

इस अवसर पर लोन मेले का भी आयोजन किया गया जिसमें राजीविका द्वारा गठित कुल 387 समूहों की विभिन्न बैंकों द्वारा 14 करोड़ रूपये की ऋण राशि का वितरण किया गया। जिसमें सर्वाधिक बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा दस करोड़ रूपये का ऋण महिलाओं की आजीविका संवर्धन के लिए वितरित किया गया।

मेले की जानकारी देते हुए नेहा चतुर्वेदी ने बताया कि दशहरा मैदान में 7 दिनों तक चलने वाले सरस राजसखी मेले का शुभारंभ किया गया है जिसमें भारत की विविधता, लोक कलाओं और संस्कृति का अनूठा संगम देखने के लिए मिलेगा। मेले में देश के कोने कोने से आई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित अनूठे उत्पादों को प्रदर्शित किया जायेगा। जिसमें विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की तांत साड़ी, पटचित्र, बाड़मेर का एप्लिक वर्क, बनारस से बनारसी साड़ी, मध्यप्रदेश के महेश्वर से महेश्वरी साड़ी, कोटा डोरिया, हैंडमैड साबुन, जूट बैग, कोटा डोरिया, सहित विभिन्न हस्तशिल्प के उत्पादों की प्रदर्शिनी लगाई जाएगी। साथ ही शहरवासी खरीददारी के साथ जायके का लुत्फ उठा सके इसलिए फूड फेस्टिवल के अंतर्गत हिमाचल, आंध्र प्रदेश सही कई राज्यों के पारंपरिक और आधुनिक व्यंजन परोसे जाएंगे। मेले में लकी ड्रा सहित विभिन्न मनोरंजन की गतिविधियां होंगी। मेले का समय प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा।

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPIDCL/469/NIT/2024-25/D-4121 दिनांक :- 13/02/2025

ई-निविदा सूचना सं. 23/2024-25

निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में 61 कार्यों की निविदा एकल बिड के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 705.15 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	20 फरवरी 2025 प्रातः 9.30 बजे से 12 मार्च 2025 सायं 4.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	12 मार्च 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	17 मार्च 2025 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।

UBN No. : RID2425WSOB00411 To RID2425WSOB00471

राज.संवाद/सी/24/11730 महाप्रबन्धक

RNI No,28267/73 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विष्णु शर्मा 'अरुणेश' के लिए ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, रामपुरा बाजार, कोटा-324006 में मुद्रित एवं बी-13, जवाहर नगर (ओल्ड) कोटा से प्रकाशित। उप प्रधान संपादक: राधारमण शर्मा, संपादक : के.एल.जैन। फोन: 0744-3550629, मो. : 9829036569